DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with A Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.) - 495113
Ph.: 07753-253801 Fax: 07753-253728
E-mail: info@cvru.ac.in, visit us at: www.cvru.ac.in

क्र.192 / कु.स. / सी.व्ही.आर.यू. / 2024 बिलासपुर, दिनांक : 03.02.2024

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :— डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का माह जनवरी — 2024 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा माह जनवरी — 2024 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– जनवरी – 2024

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) बी. टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. टेक. (इलेक्ट्रिकल) बी. टेक. (मेकनिकल) बी. टेक. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.)

		मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एम.बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(बी.बी.ए.) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम) <u>फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी</u> पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (आई. टी.) <u>फैकल्टी ऑफ आर्ट्स</u> बी. ए. (हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, भूगोल, शिक्षा, राजनीति शास्त, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र) एम. ए. (हिन्दी साहित्य) एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य) एम. ए. (संस्कृत साहित्य) एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) एम. ए. (भूगोल) एम. ए. (शिक्षा) एम. ए. (राजनीति शास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (इतिहास) एम. ए. (समाज शास्त्र) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. ललित कला बी. जे. एम. जे. <u>फैकल्टी ऑफ साईंस</u> बी. एस. सी. (जीवविज्ञान) बी. एस. सी. (गणित) बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र) एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन) एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी)

		एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) फैकल्टी ऑफ लॉ बी.ए.एल.एल.बी बी.काम. एल.एल.बी. एल.एल.बी. एल.एल.एम. फैकल्टी ऑफ फार्मेसी बी. फार्मा डी. फार्मा एम. फार्मा शोध पाठ्यक्रम
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ़ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।

08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक परिषद् का गठन किया गया है, जिसमें अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय-समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय-समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 26.12.2022 को किया गया था एवं दिनाक 25.01.2023 को सदस्य अकाद्मिक डॉ. अंजना शर्मा जी द्वारा विश्वविद्यालय के अकाद्मिक विभाग का अकाद्मिक विजिट किया गया। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग-अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र-छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन

		साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुसार ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के अधिनियम 1956 की धारा (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में स्थापित वनमाली सृजन पीठ में काव्योत्सव–2023 को आयोजन किया गया था, जिसमें साहित्यकार दिवाकर, मुक्तिबोध, बलदेव राम साहू, कमल कृष्ण पाठक सहित प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकार उपस्थित थे। अतिथियों के द्वारा अपनी कविताओं का पाठ किया गया और कविताओं पर अपने विचार साझा किया गया। इस अवसर पर युवा लेखक सनीश चंद्रा की पुस्तक 'मुझमें दिल्ली बसता है' का विमोचन किया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्

			(NAAC) की पीयर टीम के द्वारा दिनांक 06 दिसंबर 2023 से 08 दिसंबर 2023 तक निर्धारित मापदंडों करिकुलम, टीचिंग लर्निंग एंड एवल्यूशन, रिसर्च इनोवेशन एंड एक्सटेंशन, इंफ्रास्ट्रक्चर्स एंड लर्निंग रिसोर्स, स्टूडेंट सपोर्ट एवं प्रोग्रेशन, गवर्नेंस लीडरशिप एंड मैनेंजमेंट, इंडस्ट्रीयल वैल्यू एंड बेस्ट प्रैक्टिस को परखा गया। नैक पीयर टीम ने सीवीआरयू शिक्षा, शोध, कला संस्कृति मूल्यों, रचनात्मकता और उद्यमिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यो एवं सभी विभागों को गुणवत्तापूर्ण पाया। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) के द्वारा ''ए'' ग्रेड प्रदान किया गया है। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला निजी विश्वविद्यालय बन गया है, जिसे राष्ट्रीय मूल्याकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) से ''ए'' ग्रेड प्राप्त हुआ है। कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी द्वारा पत्रकार वार्ता में बताया गया कि विश्वविद्यालय 2006 में आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कोटा में स्थापित होकर गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय आदिवासी अंचल के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी व पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को विशेषकर छात्राओं को विज्ञान, तकनीक, प्रबंधन, कला, साहित्य, संस्कृति और भाषा से जोड़ने की कोशिश हें इसके साथ ही कौशल में दक्ष करने के बाद उद्यमी बनाकर स्वरोजगार से भी जोड़ा जा रहा है। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय सुविधायं प्रदान की जा रही है।

			– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में विकसित भारत कार्यक्रम के तहत गीता ज्ञान की प्रासंगिकता विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस्कॉन के महंत ब्रम्हचारी प्रियादास ने वर्तमान समय में गीता ज्ञान की प्रासंगिकता को विस्तार से बताया। यह आयोजन भाषा विज्ञान विभाग, भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र एवं छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ द्वारा किया गया था। – इंटर विश्वविद्यालय ईस्ट जोन कब्बडी महिला चैंपियनशीप में भाग लेने के लिये डॉ. सी.व्ही. आर. यू. की टीम रवाना हुई थी, यह आयोजन 10 से 16 जनवरी 2024 तक कोलकाता विश्वविद्यालय में आयोजत किया गया था। विश्वविद्यालय की महिला कब्बडी टीम ने इंटर विश्वविद्यालय ईस्ट जोन कब्डडी महिला चैपियनशीप में लगातार चार मैच में जीत हासिल कर ऑल इंडिया के लिए क्वालीफाई हुई। 12 खिलाड़ियों के साथ कुल 14 लोंगो की टीम कोलकत्ता में अपने खेल प्रदर्शन के लिये गई। – इंटर विश्वविद्यालय ईस्ट जोन खो–खो काम्पीटीशन पुरूष में भाग लेने के लिये दिनांक 16 जनवरी 2024 से 18 जनवरी 2024 तक डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय की 14 छात्रों की टीम उडीसा की मां माणिकेश्वरी विश्वविद्यालय भवानीपटना कालीहांडी उडीसा गई थी। – हिंदी दिवस के अवसर पर विश्वरंग में

			ऑनलाईन व्याख्यान का आयोजन किया गया था इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल, विचारक पवन वर्मा, राष्ट्रीय सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अतुल कोठारी, वैश्विक हिंदी परिवार के अध्यक्ष अनिल जोशी, शिक्षाविद डॉ. अमिताभ सक्सेना एवं विश्वरंग के महानिदेशक एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी ने अपने विचार रखकर हिंदी को स्थानीय स्तर से लेकर वैश्विक स्तर तक के प्रभाव को विस्तार से समझाया।
		–	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में युवा दिवस के परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर "विकसित भारत@2047 के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद के विचार एवं युवाओं की भागीदारी" विषय पर राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के जीवन आदर्श पर चलने की बात कही और भारत को विश्व गुरू बनाने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया। यह आयोजन उन्नत भारत अभियान, एनएसएस, एनसीसी एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था।
		–	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के गोद ग्राम के आदिवासी महिला स्वयं सहायता समूह एवं किसानों को हर्बल उत्पादन, वन औषधि प्रसंस्करण की जानकारी दी गई। यह आयोजन ग्रामीण प्राद्योगिकीय

		विभाग एवं उन्नत भारत अभियान के द्वारा किया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत 'विकसित भारत@2047 संकल्प यात्रा' का आयोजन विश्वविद्यालय के गोद ग्राम में ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा किया गया। — इंटर विश्वविद्यालय ईस्ट जोन कब्बडी महिला चैंपियनशीप में भाग लेने के लिये डॉ. सी. व्ही. आर. यू. की टीम दिनांक 27 जनवरी 2024 से 02 फरवरी 2024 तक गुरू काशी विश्वविद्यालय भंटिडा, पंजाब के लिए रवाना हुई। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में स्थित वनमाली सृजन पीठ में ऐतिहासिक और धार्मिक स्थान का भ्रमण एवं चौपाल पर कविता एवं कहानी पाठ का आयोजन किया गया था इसी क्रम में साहित्यकारों की टोली धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी रतनपुर पहुंची जिसमें बिलासपुर एवं रतनपुर के वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार शामिल होकर कविता पाठ किया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर हर्षोउल्लास के साथ ध्वजारोहण किया गया। विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुती दी गई। एनसीसी कैडेट्स ने परेड कर सलामी दी। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया। – सत्र 2023–24 में शैक्षणिक

			गतिविधियाँ एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना एवं नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकादमिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	—	GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

कुलसचिव